वरिष्ठ अध्यापक GK
GGD
Gourav Gyan Dhara
लक्ष्यभेदी बैच
CLASS-25
प्रमुख मानव व्यवसाय
PART-2
पढ़ेंगे NEXT LEVEL से

खनन

❖ **खनन कार्य की लाभप्रदता दो बातों पर निर्भर करती है –**

- **भौतिक कारक**– खनिज निक्षेपों का आकार, श्रेणी एवं उपस्थिति की अवस्था।
- **आर्थिक कारक**–खनिजों की मांग, विद्यमान तकनीकी, ज्ञान व उनका उपयोग और संरचना के विकास के लिए उपलब्ध पूंजी, यातायात व श्रम पर होने वाला व्यय।

❖ खनन की कितनी विधियाँ है–**दो (धरातलीय / विवृत खनन एवं भूमिगत खनन)**

❖ धरातल के नजदीक कम गहराई पर उपस्थित खनिजों का खनन किया जाता है–**धरातलीय/विवृत खनन विधि द्वारा**

❖ धरातल के नीचे गहराई में उपस्थित खनिजों के खनन हेतु प्रयुक्त विधि–**भूमिगत अथवा कूपकी खनन**

विशेष– आज विकसित अर्थव्यवस्था वाले देश उत्पादन के खनन, प्रसंस्करण एवं शोधन कार्य से पीछे हट रहे हैं क्योंकि इसमें श्रम लागत अधिक आती है जबकि विकासशील देशों में श्रम बहुतायत में उपलब्ध है इसलिए अधिक आय के लिए विकासशील देश इस कार्य को प्राथमिकता दे रहे हैं।

द्वितीयक क्रियाएँ

- **द्वितीयक गतिविधियों की दो प्रमुख विशेषताएँ–**
  - इनसे प्राकृतिक संसाधनों का मूल्य बढ़ जाता है।
  - यह कच्चे माल का रूप बदलकर उसे मूल्यवान बना देती है।
- द्वितीयक क्रिया से संबंधित हैं– **विनिर्माण, प्रसंस्करण और निर्माण अवसंरचना (उद्योग) से**
- विनिर्माण का शाब्दिक अर्थ है–**हाथ से बनाना**
- विनिर्माण से तात्पर्य है–**किसी भी वस्तु का उत्पादन (हाथ व यंत्रों दोनों द्वारा)**

नोट–उद्योग एक व्यापक नाम है और इसे विनिर्माण के पर्यायवाची के रूप में भी देखा जाता है।

आधुनिक बड़े पैमाने पर होने वाले विनिर्माण की विशेषताएँ–

- **कौशल का विशिष्टीकरण / उत्पादन की विधियां**– बड़े पैमाने पर एक ही प्रकार के सामान का उत्पादन करना।
- **यंत्रीकरण**– किसी कार्य को पूर्ण करने हेतु मशीनों का प्रयोग करना।
- **प्रौद्योगिकी सदाचार**– यह विनिर्माण की गुणवत्ता को नियंत्रित करने, अपशिष्टों के निस्तारण और प्रदूषण के विरुद्ध संघर्ष करने का एक महत्वपूर्ण पहलू है।

- **संगठनात्मक ढांचा एवं स्तरीकरण**—इसमें जटिल प्रौद्योगिक यंत्र, अल्प लागत से अधिक माल उत्पादित करना, अधिक पूंजी, बड़ा संगठन और प्रशासकीय अधिकारी वर्ग शामिल हैं।
- **अनियमित भौगोलिक वितरण**—विश्व में विनिर्माण उद्योगों का संकेंद्रण कुछ स्थानों तक ही सीमित है। विश्व के कुल स्थलीय भाग के 10% से कम भू भाग पर इनका विस्तार है।

उद्योगों की अवस्थिति को प्रभावित करने वाले कारक –

- उद्योगों की अवस्थिति को प्रभावित करने वाले कारक– **कच्चे माल की आसान प्राप्ति, तैयार माल हेतु बाजार की उपलब्धता, सस्ते श्रम की आपूर्ति, शक्ति संसाधनों की उपलब्धता, परिवहन एवं संचार की सुविधाओं की उपलब्धता, सरकारी नीति, उद्योगों के मध्य संबंध आदि**
- **उद्योगों की अवस्थिति को प्रभावित करने वाले कारको का वर्णन विस्तार से–**
  - लोगों की क्रय क्षमता अधिक होने के कारण यूरोप, उत्तर अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया में वृहद वैश्विक बाजार हैं।
  - उद्योगों की सफल स्थापना अधिकतम लाभ प्राप्त करने वाले स्थानों पर होती है।
  - घना बसा होने के कारण दक्षिणी और दक्षिण–पूर्वी एशिया भी वृहद बाजार उपलब्ध करवाता है।
  - भारी वजन, सस्ते मूल्य और वजन घटने वाले पदार्थों पर आधारित उद्योग कच्चे माल के स्त्रोत स्थल के समीप ही स्थित होते हैं।
  - वे उद्योग जिनको अधिक शक्ति की आवश्यकता होती है, वे ऊर्जा स्त्रोतों के समीप ही स्थापित किए जाते हैं।
  - पश्चिमी यूरोप और उत्तरी अमेरिका के पूर्वी भागों में परिवहन तंत्र के सुविकसित होने से उद्योगों का संकेंद्रण अधिक है।
  - प्रधान उद्योगों की समीपता अन्य उद्योगों के लिए लाभकारी होती है।
- **स्वच्छंद उद्योगो की विशेषताएँ है –**
  - ये उद्योग कच्चे माल पर निर्भर नहीं होते बल्कि संघटक पुर्जों पर निर्भर रहते हैं।

समीप

- इनमें उत्पादन कम मात्रा में होता है व कम श्रमिकों की आवश्यकता पड़ती है।
- ये उद्योग सामान्यतः प्रदूषण नहीं फैलाते हैं।
- इन उद्योगों की स्थापना में मुख्य कारक सड़कों का जाल है।

★ आकार पर आधारित उद्योग

❖ किसी उद्योग का आकार निर्भर करता है– **उस उद्योग में निवेशित पूंजी, कार्यरत श्रमिकों की संख्या एवं उत्पादन की मात्रा पर**

❖ आकार के आधार पर उद्योगों को बांटा जा सकता है – **तीन भागों में (कुटीर उद्योग, छोटे पैमाने के उद्योग व बड़े पैमाने के उद्योग)**

❖ **कुटीर उद्योगों की विशेषताएँ–**

- ये निर्माण की सबसे छोटी इकाई है जिनमें उत्पादन प्रक्रिया घर पर संपन्न होती है।
- इनमे साधारण औजारों का इस्तेमाल कर परिवार के सभी सदस्य मिलकर वस्तुओं का उत्पादन करते हैं।
- इनमें दैनिक जीवन के उपभोग से संबंधित वस्तुओं का उत्पादन किया जाता है।
- कुटीर उद्योग में शिल्पकार स्थानीय कच्चे माल का उपयोग करते हैं।
- इन उद्योगों में निर्मित माल का ये स्वयं उपभोग करते हैं या पास के बाजार में विक्रय करते हैं।
- इन उद्योगों में निर्मित वस्तुओं का व्यापारिक महत्व बहुत कम होता है।
- इन उद्योगों को पूंजी और परिवहन प्रभावित नहीं करते है।
- कुटीर उद्योग में उत्पादित दैनिक जीवन से संबंधित प्रमुख वस्तुएँ खाद्य पदार्थ, कपड़ा, बर्तन, औजार, चटाईयाँ, जूते, लघु मूर्तियाँ, फर्नीचर, सोने, चांदी, तांबे के आभूषण आदि हैं।

❖ **छोटे पैमाने के उद्योगों की विशेषताएँ–**

- इनमें स्थानीय कच्चे माल का उपयोग होता है।
- इनमें अर्ध कुशल श्रमिक व शक्ति साधनों से चलने वाले यंत्रों का प्रयोग किया जाता है।
- इनमें रोजगार के अवसर अधिक होते हैं।
- भारत, चीन, इंडोनेशिया, ब्राजील जैसे देशों ने विशाल जनसंख्या को रोजगार उपलब्ध करवाने हेतु श्रम सघन छोटे पैमाने के उद्योग प्रारंभ किए हैं।

❖ **बड़े पैमाने के उद्योगों की विशेषताएँ–**

- इन उद्योगों में विशाल बाजार, विभिन्न प्रकार का कच्चा माल, शक्ति के साधन, कुशल श्रमिक, विकसित प्रौद्योगिकी, अधिक पूंजी की आवश्यकता होती है।
- इन उद्योगों में अधिक मात्रा में उत्पादन किया जाता है।
- इन उद्योगों का विकास पिछले 200 वर्षों में हुआ है।
- इन उद्योगों की सर्वप्रथम स्थापना इंग्लैंड, संयुक्त राज्य अमेरिका के पूर्वी भाग और यूरोप में हुई थी।
- वर्तमान में ये विश्व के सभी भागों में विद्यमान है।

❖ विश्व के प्रमुख औद्योगिक प्रदेशों को निर्माण के आधार पर दो समूह में बांटा जा सकता है–

- **परंपरागत वृहत औद्योगिक प्रदेश**–ये कुछ अधिक विकसित देशों में है।
- **उच्च प्रौद्योगिकी वाले वृहत औद्योगिक प्रदेश**–इनका विस्तार कम विकसित देशों में हुआ है।

कच्चे माल पर आधारित उद्योग

❖ कच्चे माल पर आधारित उद्योगों का वर्गीकरण–**कृषि आधारित, खनिज आधारित, रसायन आधारित, वन आधारित और पशु आधारित उद्योग।**

❖ **कृषि आधारित उद्योग–**

- इन उद्योगों में कच्चे माल के रूप में खेतों से प्राप्त उत्पाद का इस्तेमाल किया जाता है।

- **प्रमुख कृषि आधारित उद्योग** – सूती वस्त्र उद्योग, जूट उद्योग, रबड़ उद्योग, मसाले उद्योग, तेल उद्योग, पेय पदार्थ उद्योग, फलों के रस, अचार, शक्कर आदि।
- **भोजन प्रसंस्करण के उदाहरण** – मलाई का उत्पादन, डिब्बा खाद्य, फलों से खाद्य तैयार करना, मिठाइयाँ आदि।

❖ **खनिज आधारित उद्योग** –

- ये उद्योग कच्चे माल के रूप में खनिजों का उपयोग करते हैं।
- खनिज आधारित उद्योगों के उदाहरण– लौह इस्पात उद्योग, एल्युमिनियम उद्योग, तांबा उद्योग, जवाहरात उद्योग, सीमेंट उद्योग आदि।

❖ **रसायन आधारित उद्योग**–

- इन उद्योगो में प्राकृतिक रूप में पाए जाने वाले रासायनिक खनिजों का उपयोग होता हैं।
- **प्रमुख रसायन उद्योगों के उदाहरण**– पेट्रो रसायन उद्योग, नमक उद्योग, गंधक उद्योग, पोटाश उद्योग, कृत्रिम रेशे बनाना, प्लास्टिक निर्माण करना आदि

❖ **वनों पर आधारित उद्योग**–

- इन उद्योगों में वनों से प्राप्त उपज को कच्चे माल के रूप में प्रयुक्त किया जाता है।
- **प्रमुख वन आधारित उद्योग** – फर्नीचर उद्योग, कागज उद्योग, लाख उद्योग

- **पशु आधारित उद्योग–**
  - इन उद्योगों में चमड़ा एवं ऊन पशुओं से प्राप्त प्रमुख कच्चा माल है।
  - **प्रमुख पशु आधारित उद्योग** – चमड़ा उद्योग, ऊनी वस्त्र उद्योग, हाथी दांत उद्योग आदि
- वे उद्योग जिनके उत्पाद को अन्य वस्तुएँ बनाने के लिए कच्चे माल के रूप में प्रयोग में लाया जाता है, उन्हें कहते हैं–**आधारभूत उद्योग**
- वे उद्योग जिनके द्वारा उत्पन्न वस्तुओ का उपयोग प्रत्यक्ष रूप से उपभोक्ता द्वारा किया जाता है, कहलाते है – **उपभोक्ता उद्योग**
- **आधारभूत उद्योगों के उदाहरण–** लौह इस्पात उद्योग, एल्युमिनियम उद्योग, वस्त्र उद्योग के लिए मशीनों का निर्माण आदि
- **उपभोक्ता उद्योगों के उदाहरण–** ब्रेड बिस्कुट, चाय, साबुन, कागज, टेलीविजन, श्रंगार सामान आदि

स्वामित्व के आधार पर उद्योग

- वे उद्योग जिन पर सरकार का स्वामित्व व नियंत्रण होता है, कहलाते हैं–**सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योग**
- वे उद्योग जिनमें उद्योगों का स्वामित्व व्यक्तिगत निवेशकों के पास होता है व निजी संगठनों द्वारा संचालित होते हैं, कहलाते हैं–**निजी क्षेत्र के उद्योग**
- वे उद्योग जिनका संचालन संयुक्त कंपनी के द्वारा या किसी निजी या सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी के संयुक्त प्रयासों द्वारा किया जाता है, कहलाते हैं–**निजी क्षेत्र के उद्योग**

सहकारी → सरकारी + निजी

- मिश्रित अर्थव्यवस्था में अधिकतर उद्योग धंधे किस क्षेत्र में होते हैं–**निजी एवं सार्वजनिक दोनों क्षेत्रों में**
- अधिकतर पूंजीवादी देशों में उद्योग धंधे किस क्षेत्र में होते हैं–**निजी क्षेत्र में**
- विज्ञान पार्क, विज्ञान नगर तथा अन्य उच्च तकनीकी औद्योगिक कांपलेक्स को किस नाम से जानते हैं – **प्रौद्योगिक ध्रुव के नाम से**
- प्रौद्योगिक ध्रुव के उदाहरण–**सिलिकॉन घाटी (सेन फ्रांसिस्को, USA)**
- उद्योगों में श्रम पर निर्भरता को कम करने वाले कारक हैं– **यंत्रीकरण की बढ़ती स्थिति, स्वचालित यंत्रीकरण और औद्योगिक प्रक्रिया का लचीलापन।**
- विश्व के प्रमुख निर्माण उद्योग हैं– **लौह इस्पात, वस्त्र, मोटर गाड़ी निर्माण, पेट्रो रसायन व इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग।**
- संपूर्ण श्रम शक्ति का अधिकतर भाग होता है –**उच्च, दक्ष एवं विशिष्ट व्यवसायिक श्रमिको (सफेद कॉलर) का**

नोट–वास्तविक उत्पादन श्रमिक कहलाते हैं–**नीला कॉलर**

- उच्च प्रौद्योगिकी उद्योगों में प्रमुख स्थान रखने वाले उद्योग हैं –**यंत्रमानव, कंप्यूटर आधारित डिजाइन तथा निर्माण, धातु पिंघलाने एवं शोधन के इलेक्ट्रॉनिक नियंत्रण एवं रासायनिक व औषधीय उत्पाद**

तृतीयक और चतुर्थ क्रियाकलाप

- सभी प्रकार की सेवाएँ विशिष्ट कलाएँ होती हैं, जो भुगतान के बदले प्राप्त की जाती है।
- तृतीयक क्रियाकलाप सेवा क्षेत्र से संबंधित है।
- सेवा क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण कारक जनशक्ति है क्योंकि अधिकांश क्रियाकलापों का निष्पादन कुशल श्रमिक, व्यावसायिक दृष्टि से प्रशिक्षित विशेषज्ञ और परामर्शदाताओं द्वारा होता है।
- विकसित अर्थव्यवस्था में द्वितीयक क्षेत्र की बजाय तृतीयक क्षेत्र में अधिक श्रमिक रोजगार पाते हैं।
- तृतीयक क्रियाकलापों में उत्पादन और विनिमय दोनों शामिल होते हैं।

नोट- विनिमय के अंतर्गत व्यापार, परिवहन और संचार सुविधाएँ शामिल होती हैं।

- सेवा क्षेत्र के कुछ उदाहरण–**बिजली मिस्त्री, तकनीशियन, धोबी, दुकानदार चालक, अध्यापक, डॉक्टर, वकील, प्रकाशक, नलसाज आदि।**

व्यापार और वाणिज्य

- अन्यत्र उत्पादित मदो का क्रय और विक्रय करना कहलाता है–**व्यापार**
- फुटकर और थोक व्यापार की सभी सेवाओं का विशिष्ट उद्देश्य होता है–**लाभ कमाना**
- व्यापारिक कार्य कस्बों और नगरों में होता है जिन्हें कहा जाता है–**व्यापारिक केंद्र**
- व्यापारिक केंद्रों को कितने केंद्रों में विभक्त किया जा सकता है–2 (**ग्रामीण और नगरीय वितरण केंद्र**)
- ग्रामीण लोगों की अधिक मांग वाली वस्तुओं और सेवाओं को उपलब्ध कराने वाले महत्वपूर्ण केंद्र हैं–**ग्रामीण विपणन केंद्र**
- ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित बाजार नहीं होते बल्कि साप्ताहिक व पाक्षिक बाजार होते हैं, जिन्हें कहा जाता है–**हाट**

नोट– यह बाजार किसी निश्चित तिथि (दिन) पर ही लगते हैं।

- **नगरीय बाजार केंद्रों की प्रमुख विशेषताएँ–**
  - इनमें न केवल साधारण वस्तुएँ और सेवाएँ बल्कि लोगों द्वारा वांछित अनेक विशिष्ट वस्तुएँ व सेवाएँ भी उपलब्ध होती हैं।
  - ये केंद्र विनिर्मित पदार्थों के साथ साथ विशिष्टीकृत बाजार, श्रम बाजार, आवासन, अर्ध निर्मित व निर्मित उत्पादों का बाजार भी प्रस्तुत करते हैं।
  - इनमें शैक्षिक संस्थाओं और व्यवसायिको की सेवाएँ जैसे–**अध्यापक, वकील. परामर्शदाता, चिकित्सक, पशु चिकित्सक आदि उपलब्ध होते हैं।**

- व्यापारिक क्रियाकलाप जो उपभोक्ताओं को वस्तुओं के प्रत्यक्ष विक्रय से संबंधित होते हैं, कहलाते हैं–**फुटकर व्यापार**
- अधिकांश फुटकर व्यापार को संपादित किया जाता है–**विक्रय से नियत प्रतिष्ठानों और भंडारों में**
- फुटकर बिक्री के भंडार रहित उदाहरण है– **रेहड़ी, फेरी, ट्रक, द्वार से द्वार, डाक आदेश, दूरभाष, स्वचालित बिक्री मशीनें, इंटरनेट आदि।**
- थोक व्यापार का गठन किया जाता है–**बिचोलिए सौदागरो और पूर्तिघरों द्वारा**
- बहुसंख्यक फुटकर भंडार अपनी पूर्ति देते हैं – **बिचौलिए स्त्रोत से**
- थोक विक्रेता उधार देते हैं–**फुटकर भंडारों को**

परिवहन

- वह सेवा अथवा सुविधा जिससे व्यक्तियों, विनिर्मित माल तथा संपत्ति को भौतिक रूप से एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाया जाता है– **परिवहन सेवा**
- मनुष्य की गतिशीलता की मूलभूत आवश्यकता को पूरा करने हेतु निर्मित एक संगठित उद्योग है–**परिवहन**
- मार्ग लंबाई की वास्तविक दूरी को कहते हैं–**किलोमीटर दूरी**
- मार्ग पर यात्रा करने में लगने वाला समय कहलाता है–**समय दूरी**

- मार्ग पर यात्रा के खर्च के रूप में मापा जाता है—**लागत दूरी**
- दो अथवा अधिक मार्गों का संधि स्थल, एक उद्गम बिंदु, एक गंतव्य बिंदु अथवा मार्ग के सहारे कोई बड़ा कस्बा कहलाता है—**नोड**
- प्रत्येक सड़क जो दो नोडो को जोड़ती है, कहलाती है—**योजक**
- परिवहन की मांग किससे प्रभावित होती है—**जनसंख्या के आकार से**
- **परिवहन सेवाओं के मार्ग किन कारकों पर निर्भर करते हैं –**
  - नगरों, कस्बों, गांवो, औद्योगिक केंद्रों और कच्चे माल, उनके मध्य व्यापार के प्रारूप, उनके मध्य भू दृश्य की प्रकृति पर।
  - जलवायु के प्रकारों, मार्ग की लंबाई पर आने वाले व्यवधान को दूर करने के लिए उपलब्ध निधियों (मुद्रा) पर।

संचार

- संचार सेवाओं में शामिल हैं—**शब्दों, संदेशों, तथ्यों और विचारों का प्रेषण**
- संदेश हाथ, पशु, नाव, सड़क, रेल तथा वायु द्वारा परिवहित होते हैं, इसी कारण परिवहन के सभी रूपों को कहा जाता है—**संचार पथ**
- संचार के किन रूपों के विकास ने संचार को परिवहन से मुक्त कर दिया—**मोबाइल, दूरभाष और उपग्रह के विकास ने**
- दूरसंचार का प्रयोग किसके विकास से जुड़ा हुआ है—**विद्युत प्रौद्योगिकी के विकास से**
- संचार के कौनसे साधन वर्तमान में लगभग भूतकाल की वस्तुएँ बन गए हैं—**तार प्रेषण, मोर्स कूट और टैलेक्स**
- जनसंचार के मुख्य माध्यम है—**रेडियो, दूरदर्शन, समाचार पत्र आदि।**
- संचार के तीव्र गति वाले मुख्य साधन है—**मोबाइल, दूरभाष और उपग्रह**
- वैश्विक संचार तंत्र में वास्तव में क्रांति लाया है—**इंटरनेट**

सेवाएँ

- निम्न स्तरीय सेवाओं के उदाहरण– **धोबी घाट और पंसारी की दुकान**
- उच्च स्तरीय सेवाओं के उदाहरण – **परामर्शदाता, लेखाकार आदि**
- मानसिक श्रम उपयोग करने वाली कुछ प्रमुख सेवाएँ–**वकील, अध्यापक, संगीतकार, चिकित्सक आदि।**
- शारीरिक श्रम उपयोग करने वाली कुछ प्रमुख सेवाएँ–**धोबी, माली आदि**
- राज्य अथवा संघ विधान ने किन सेवाओं के विपणन के पर्यवेक्षण और नियंत्रण के लिए निगमों की स्थापना की है–**परिवहन, दूरसंचार, ऊर्जा, जलापूर्ति आदि।**
- कुछ प्रमुख व्यवसायिक सेवाएँ हैं–**स्वास्थ्य की देखभाल, अभियांत्रिकी, विधि और प्रबंधन**
- ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी क्षेत्रों में प्रवास करने वाले व्यक्ति जो मुख्यतः घरेलू सेवाओं के लिए नियुक्त किए जाते हैं–**मोची, गृहपाल, खानसामा, माली आदि।**

नोट–कार्मिकों का यह वर्ग असंगठित हैं, जिन्हें कम भुगतान किया जाता है।

❖ **तृतीय क्रियाकलापों में संलग्न लोग–**

- सेवा क्षेत्र में रोजगार की प्रवृत्ति बढ़ रही है।
- विकसित देशों में कर्मियों का अधिकतर भाग इन सेवाओ में लगा है।
- संयुक्त राज्य अमेरिका में 75% से अधिक कर्मी सेवा में संलग्न है।
- अल्पविकसित देशों में 10% से भी कम लोग सेवा क्षेत्र में लगे हुए हैं।

पर्यटन

❖ पर्यटन से क्या अभिप्राय है– **यह एक यात्रा है जो व्यापार की अपेक्षा आमोद–प्रमोद के उद्देश्यों से की जाती है**

❖ विश्व का सबसे बड़ा तृतीयक क्रियाकलाप है–**पर्यटन**

❖ विश्व के सकल घरेलू उत्पाद का 40% उत्पादित करता है–**पर्यटन**

❖ पर्यटन किन उद्योगों को पोषित करता है–**अवसंरचना उद्योग, फुटकर व्यापार और शिल्प उद्योगों को**

- विश्व के लोकप्रिय पर्यटक गंतव्य स्थल– **भूमध्यसागरीय तट के चारों ओर कोष्ण स्थान, भारत का पश्चिमी तट, मनोहारी दृश्य भूमियाँ, शीतकालीन खेल प्रदेश आदि।**
- पर्यटन को प्रभावित करने वाले कारक हैं–**मांग और परिवहन**
- पर्यटन को आकर्षित करने वाले प्रमुख कारक हैं– **जलवायु, भू दृश्य, इतिहास व कला, संस्कृति व अर्थव्यवस्था।**
- यूरोप और भूमध्यसागरीय क्षेत्रों में पर्यटन के महत्व का मुख्य कारण है–**ठंडे प्रदेशों के लोग पुलिन विश्राम हेतु उष्ण व धूपदार मौसम की अपेक्षा करते हैं।**
- इतिहास व कला से संबंधित स्थल जो पर्यटकों को आकर्षित करते हैं–**प्राचीन नगर, गुफाएँ, महल, पुरातत्व स्थान, गिरजाघर आदि**
- जब चिकित्सा उपचार को अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन गतिविधि से संबद्ध कर दिया जाता है तो इसे कहते हैं–**चिकित्सा पर्यटन**

नोट –भारत, थाईलैंड, सिंगापुर और मलेशिया जैसे विकासशील देशों को चिकित्सा पर्यटन से अनेक लाभ प्राप्त होते हैं। भारत विश्व में चिकित्सा पर्यटन में अग्रणी देश बनकर उभरा है।

चतुर्थ क्रियाकलाप

- तृतीयक क्रियाकलापों के उपविभाग हैं– **दो (चतुर्थ व पंचम क्रियाकलाप)**
- सेवा क्षेत्र के ज्ञानोन्मुखी प्रभाग को विभक्त किया जा सकता है–**चतुर्थ और पंचम क्रियाकलापों में**
- चतुर्थ क्रियाकलापो में शामिल कर्मचारी हैं– **कार्यालय भवनों, प्रारंभिक विद्यालयों**, विश्वविद्यालय कक्षाओं, **टैक्स परामर्शदाताओं को, अस्पतालों में डॉक्टरों के कार्यालय, रंगमंच और लेखाकार्यो और दलाली की फर्मों में काम करने वाले कर्मचारी**
- चतुर्थ क्रियाकलापों में शामिल है– **सूचना का संग्रहण, उत्पादन और प्रकीर्णन।**

नोट– यह विशिष्टीकृत ज्ञान, प्रौद्योगिकी कुशलता और प्रशासकीय सामर्थ्य से संबंधित सेवाओं के उन्नत नमूने के रूप में देखे जाते हैं।

- ज्ञान आधारित उद्योग संबंधित हैं–**चतुर्थ क्रियाकलापो से**
- नवीन एवं वर्तमान विचारों की रचना, उनके पुनर्गठन और व्याख्या, आंकड़ों की व्याख्या व प्रयोग, उच्चतम स्तर पर निर्णय लेने, नीतियों का निमार्ण करने तथा नवीन प्रौद्योगिकी के मूल्यांकन पर केंद्रित सेवाएँ संबंधित हैं–**पंचम क्रियाकलाप से**
- पंचम क्रियाकलाप से संबंधित गतिविधियों को कहा जाता है–**स्वर्ण कॉलर**
- पंचम क्रियाकलापों में शामिल किया जाता है– **वरिष्ठ व्यवसायिक अधिकारियों को, सरकारी अधिकारियों को, अनुसंधान वैज्ञानिकों को, वित्त एवं विधि परामर्शदाताओं को, विशेषज्ञों को।**

बाह्य स्त्रोतन

- दक्षता को सुधारने और लागतो को घटाने के लिए किसी भारी अभिकरण को काम सौपना कहलाता है–**बाह्य स्त्रोतन अथवा ठेका देना**
- जब बाह्य स्त्रोतन में कार्य समुद्र पार के स्थानों पर स्थानांतरित कर दिया जाता है तो इसे कहा जाता है–**अपतरन (आफशोरिंग)**
- वे क्रियाकलाप जिनमें बाह्य स्त्रोतन किया जाता है–**सूचना प्रौद्योगिकी, मानव संसाधन, ग्राहक सहायता और कॉल सेंटर सेवाएँ, विनिर्माण तथा अभियांत्रिकी।**
- ज्ञान प्रकरण बाह्य स्त्रोतन के उदाहरण है–**ई-लर्निंग, व्यवसाय अनुसंधान, बौद्धिक संपदा, अनुसंधान, कानूनी व्यवसाय, बैंकिंग सेंटर आदि।**
- आंकड़ा प्रक्रमण सेवा किससे सम्बन्धित है **–सूचना प्रौद्यौगिकी से**
- आंकड़ा प्रक्रमण सेवा को एशियाई, पूर्वी यूरोपीय और अफ्रीकी देशों में आसानी से क्रियान्वित किया जा सकता है, जिसका कारण है– **इन देशों में विकसित देशों की अपेक्षा कम पारिश्रमिक पर अंग्रेजी भाषा में निपुणता वाले कुशल कर्मचारी आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं।**
- अंकीय विभाजक क्या है–**सूचना और संचार प्रौद्योगिकी पर आधारित विकास से मिलने वाले अवसरों का वितरण पूरे ग्लोब पर असमान रूप से वितरित है। विकसित देश इस दिशा में आगे बढ़ गए हैं जबकि विकासशील देश पिछड़ गए हैं। इसी को अंकीय विभाजक कहा जाता है।**

GGD Hai to Mumkin Hai ! निःशुल्क शिक्षा Join Gourav Gyan Dhara

2nd GRADE GK

प्रथम प्रश्न पत्र

TOPIC WISE TEST SERIES

COMBO 1

राजस्थान GK ₹ 70/-
+
विश्व भारत GK
+
राजव्यवस्था ₹ 70/-

₹ 125/-

COMBO 2

राजस्थान GK ₹ 70/-
+
विश्व भारत GK
+
राजव्यवस्था ₹ 70/-
+
मनोविज्ञान ₹ 60/-

₹ 170/-

SUBSCRIBERS 923K | SUBSCRIBERS 310K | SUBSCRIBERS 200K | SUBSCRIBERS 310K

GET IT ON Google Play Install The Gourav Gyan Dhara App Now

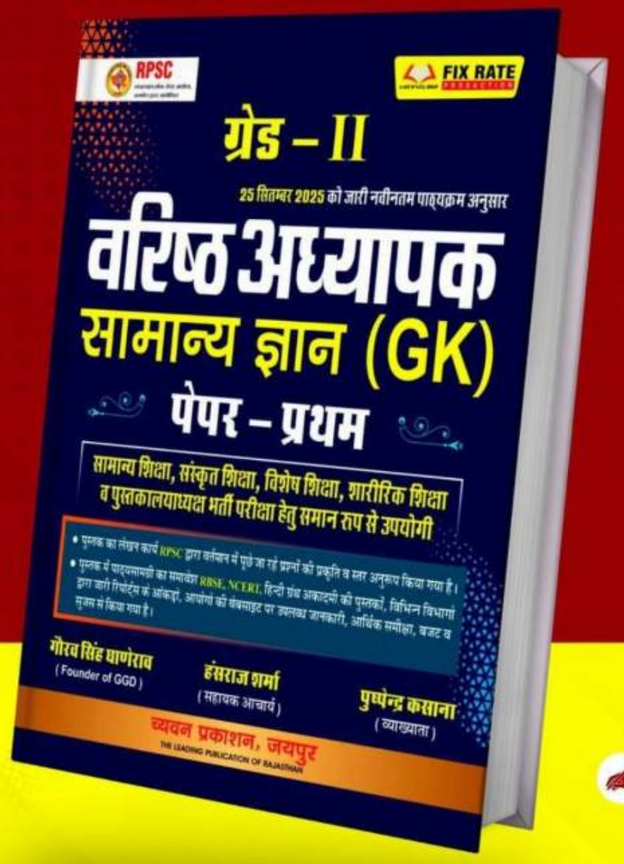

ग्रेड-II

वरिष्ठ अध्यापक

सामान्य ज्ञान (GK)

पेपर–प्रथम

सामान्य शिक्षा, संस्कृत शिक्षा, विशेष शिक्षा, शारीरिक शिक्षा व पुस्तकालयाध्यक्ष भर्ती परीक्षा हेतु समान रूप से उपयोगी

गौरव सिंह घाणेराव
हंसराज शर्मा
पुष्पेन्द्र कसाना

च्यवन प्रकाशन
A UNIT OF M.R.C. GROUP
The Leading Publication of Rajasthan

for more information : +91 707-3066-333 | sugamrajasthan@yahoo.in

अबकी बार LDC पार...

LDC TEST SERIES

Test Series: 01
भूगोल, प्राकृतिक संसाधन, आर्थिक व औद्योगिक विकास (पेपर-1)
- प्रत्येक टॉपिक का टेस्ट
- यथोचित व्याख्या सहित
- Rank Timer & Negative marking की सुविधा

₹51

Test Series: 02
राजस्थान इतिहास कला-संस्कृति + दैनिक विज्ञान (पेपर-1)
- प्रत्येक टॉपिक का टेस्ट
- यथोचित व्याख्या सहित
- Rank Timer & Negative marking की सुविधा

₹51

Test Series: 03
हिन्दी व्याकरण + English Grammar (पेपर-2)
- प्रत्येक टॉपिक का टेस्ट
- यथोचित व्याख्या सहित
- Rank Timer & Negative marking की सुविधा

₹65

MEGA COMBO
TEST SERIES 1+2+3+ COMBO
(उपरोक्त तीनों TEST SERIES COMBO)
- प्रत्येक टॉपिक का टेस्ट
- यथोचित व्याख्या सहित
- Rank Timer & Negative marking की सुविधा

~~₹167~~ ₹151

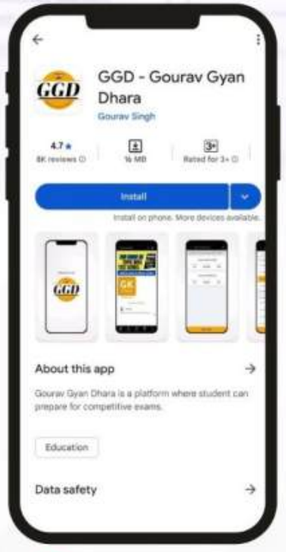

GET IT ON Google Play

Download the GGD App Now

REGISTER NOW!

LAB ASSISTANT GK

TOPIC WISE TEST SERIES

TEST SERIES - 01
राजस्थान का इतिहास, कला व संस्कृति
- प्रत्येक टॉपिक के शानदार टेस्ट
- व्याख्या सहित
- RANK व TIMER की सुविधा

किसके लिए उपयोगी – **लैब असिस्टेंट**
(विज्ञान, भूगोल एवं गृह विज्ञान तीनों के लिए)

PRICE : 51/-

TEST SERIES - 02
राजस्थान भूगोल
- प्रत्येक टॉपिक के शानदार टेस्ट
- व्याख्या सहित
- RANK व TIMER की सुविधा

किसके लिए उपयोगी – **लैब असिस्टेंट**
(विज्ञान, भूगोल एवं गृह विज्ञान तीनों के लिए)

PRICE : 51/-

TEST SERIES - 03
विश्व, भारत GK + मनोविज्ञान
- प्रत्येक टॉपिक के शानदार टेस्ट
- व्याख्या सहित
- RANK व TIMER की सुविधा

किसके लिए उपयोगी – **लैब असिस्टेंट**
(विज्ञान के लिए केवल)

PRICE : 65/-

COMBO - 1
TEST SERIES – 1 + TEST SERIES – 2
(राजस्थान इतिहास, कला, संस्कृति, भूगोल)

PRICE : 90/-

COMBO - 2
TEST SERIES – 1 + 2 + 3
(राज. इतिहास, कला-संस्कृति, भूगोल, विश्व-भारत GK + मनोविज्ञान)

PRICE : 150/-

GET IT ON Google Play INSTALL THE GOURAV GYAN DHARA APP NOW

923K 330K 200K 310K

वनपाल भर्ती 2026

TOPIC WISE TEST SERIES

» राजस्थान का भूगोल, इतिहास, कला व संस्कृति
- TOTAL TESTS : 90+
- TOTAL QUESTIONS : 3500+

PRICE ~~₹199~~ ₹65

» राजव्यवस्था, दैनिक विज्ञान व् राजस्थान की अर्थव्यवस्था
- TOTAL TESTS : 50+
- TOTAL QUESTIONS : 2000+

PRICE ~~₹199~~ ₹65

» MEGA COMBO
ABOVE MENTION BOTH PACKAGE

SPECIAL OFFER PRICE ₹120

Validity Till : 31/01/2027

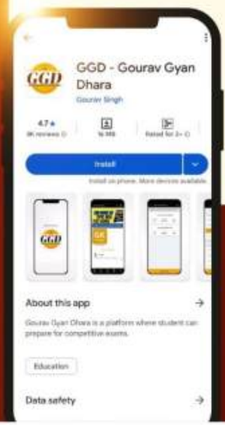

GET IT ON Google Play

Install The Gourav Gyan Dhara App Now

हाईकोर्ट चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी

Topic wise TEST SERIES

सबसे कम कीमत पर सर्वश्रेष्ठ Result देने वाला अभ्यास...

हिन्दी व्याकरण
Topic wise Test Series
~~₹199~~ ₹51

English Grammar
Topic wise Test Series
~~₹199~~ ₹51

राजस्थान कला संस्कृति
Topic wise Test Series
~~₹199~~ ₹51

Mega Combo
हिन्दी + English + राजस्थान कला संस्कृति (सम्पूर्ण सिलेबस)
~~₹199+₹199+₹199=597~~
~~₹51+₹51+₹51=153~~
₹125

GET IT ON Google Play

Download the GGD App Now

OPD-OBJECTIVE PRASHNA DHARA

@OPDBYGOURAVSINGHGHANERAOGGD

1.89 lakh subscribers • 406 videos

GGD™
Gourav Gyan Dhara

"Join Our Official TELEGRAM CHANNEL"

TO Get NEW UPDATES !

- New Job Alerts
- Academic News
- Class PDFs
- Practice MCQ Questions & Many More

@https://t.me/gouravgyandhara

Join Now!

GGD
Gourav Gyan Dhara
JOIN THE
FASTEST
GROWING
EDUCATION
PLATFORM
गौरव सिंह घाणेराव Founder of GGD
Gouravgyandharaofficial
gouravgyandhara
Gourav Gyan Dhara
gouravgyandhara
gouravgyandhara
निःशुल्क व नियमित शिक्षा देने में
राजस्थान का न. 1 YOUTUBE CHANNEL